मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि [एम. ए. (हिन्दी)]

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम. एच. डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. मराठी दलित कविता 'माँ' की मूल-संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 10
2. पंजाबी दलित कविता 'घोड़ा' की रूपक योजना का विवेचन कीजिए। 10
3. गुजराती दलित कविता की पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए। 10
4. दलित साहित्य आंदोलन में अर्जुन डांगले के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 10

5. 'बुद्ध ही मरा पड़ा है' कहानी के आधार पर अशोक की चारित्रिक विशिष्टता को रेखांकित कीजिए। 10

6. 'परती' कहानी की मूलवस्तु को स्पष्ट कीजिए। 10

7. " 'बिच्छू' कहानी में मजदूर दलित वर्ग की जीवन व्यथाओं को मुखर किया गया है।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

8. 'मशालची' के माध्यम से दलित मुक्ति संघर्ष की दिशा और दशा पर प्रकाश डालिए। 10

9. दलित आत्मकथा इतिहास में 'अक्करमाशी' के महत्व पर विचार कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) 'गाँव का कुआँ' कहानी का शिल्प-विधान

(ख) गुजराती दलित साहित्य के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान

(ग) मराठी-दलित कविता का सौंदर्यबोध

(घ) 'अस्पृश्य वसंत' उपन्यास की कथावस्तु

× × × × ×